((ख) यदि हां, तो सरकार की इस पर क्या प्रतिक्रिया हैं; और

(ग) अब तक सरकार ने उन व्यक्तियों के खिलाफ क्या कार्रवाई की हैं?

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री (प्रो . एम .कामसन) : (क) से (ग) प्रारंभिक प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे 132 परिवीक्षीधीन उप-निरीक्षक ,1/2 जुलाई , 1955 की रात्रि के दौरान हाजिरी लेने पर उस समय अस्थायी रूप से अनुपस्थिति पाए गये थे जब वे अपना कमांडो कैपसूल पाठ्यक्रम कर रहे थे पूछताछ करने पर पाया गया कि उनमें से 85 वास्तव में साथ के मनोरंजन कक्ष में टेलीविन पर एक फिल्म देख रहे थे । इन सभी को लिखित रूप में चेतावनी जारी कर दी गई हैं। परिवीक्षाधीन 47 उप-निरीक्षकों, जो बिना अनुमति के परिसर छोड़कर चले गए थे. में से 43 उप-निरीक्षकों द्वारा प्रस्तुत उत्तर संतोषजनक नहीं पाए । तदनुसार, इन सभी 43 उप-निरीक्षकों की सेवाओं को उनकी अनुपस्थिति के कारण समाप्त कर दिया गया था। तथापि, अनुशासनात्मक अधिकारी के निर्णय के खिलाफ अपील किए जाने पर इन चारों को सेवा में पुनः वापस ले लिया गया हैं।

दिल्ली परिवाहन निगम द्वारा उठायी गई हानियां

237.**श्री इकबाल सिंह** : क्या जल-भूतल परिवाहन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली परिवहन निगम को प्रतिवर्ष भारी वित्तियां हानियां हो रही हैं;

(ख) यदि हां, तो वर्ष 1993-94 ,1994-95 और 1995-96 के प्रथम 9 महीनों के दौरान डी.टी.सी के कितनी राशि की हानि हुई ;

(ग) डी.टी.सी को प्रतिवर्ष को रही हानि के प्रमुख कारण क्या है;

(घ) क्या सरकार इन वित्तीय हानियों को देखते हुए डी.टी.सी के अनावश्यक प्रशासनिक व्यय में कमी करने तथा उसकी कार्य कुशलता में वृद्धि करने पर विचार कर रही हैं; और

(ड) यदि हां.तो इस संबंध में ब्यौरा क्या हैं?

i

जल - भूतल परिवहन मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री एम. राजशेखर मूर्ति): (क) जी हां।

(ख) ब्यौरें इस प्रकार हैं:-

		(करोड़ रू)
वर्ष	कार्यशीलघाटा (ब्याज और मूल्य ह्रास को छोड़कर)	कुल घाटा (ब्याज और मूल्य ह्रास सहित)
1993-94	83.60	281.84
1994-95	68.27	307.04
1995-96	68.61	299.70
(दिसम्बर, 95 तक)		

(ग) दिल्ली परिवहन निगम को घाटा निम्न किराए ढांचे , प्रचालन की बढ़ती लागत, फालतू स्टाक और सामजिक दायित्व आदि के कारण हो रहा हैं।

(घ) और (ड) इस संबंध में निम्नलिखित उपाय किए गए हैं:-

(क) दि.प.नि. के फालतू स्टाफ को कम करने के लिए इसमें स्वैच्छिक सेवानिवृति स्कीम शुरू करना ।

(2) दि.प. नि. के किराए ढांचे को दि. 21.6.94 से युक्तिसंगत बनाना ।

(3) जनशक्ति अनुपात में कमी ।

(4) भर्ती पर प्रतिबंध

(5) घाटे वाले और लाभ वाले रूटों का सतत् रूप से वास्तविक संतुलन बनाया जा रहा हैं ।

Sanction of Telephones on the Recommendations of M.P.s

238. SHRI SHIV CHARAN SINGH: will the Minister of COMMUNiCA TIONS be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the recommendations of MPs for Sanction of Telephone connections on an out of turn